# पाठ 9. नकल का नतीजा

## पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में भावनाओं पर नियंत्रण संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे उत्तेजित व उद्वेलित करने वाले कारकों से सकारात्मक रूप से निपटने की क्षमता बढ़ा सकें। पाठ में बताया गया है कि किसी की नकल बिना सोचे समझे करना गलत है। हमें अपने भावावेश में न बहकर बुद्धिमानी का परिचय देना चाहिए अन्यथा इसका नतीजा बुरा हो सकता है।

## पाठ का सार

राजा सुगनामल के दरबार में चतुरसेन नामक एक बुद्धिमान दरबारी रहते थे। एक बार राजा तथा चतुरसेन कहीं भोज पर गए। अगले दिन राजा ने उनसे पूछा कि खाने में कौन-कौन से पकवान थे। चतुरसेन ने बताना शुरू ही किया था कि राजा ने उन्हें किसी दूसरी बात में उलझा दिया। कुछ सप्ताह बाद राजा ने फिर पूछा, "और क्या?" चतुरसेन ने कहा, "और क्या, कढ़ी बस!" राजा ने चतुरसेन को बुद्धिमत्ता के लिए उपहार भेंट किया। सभी दरबारियों ने सोचा कि राजा को कढ़ी पसंद है। अगले दिन सभी कढ़ी लेकर राजा के सामने हाज़िर हुए। राजा को बहुत गुस्सा आया कि दरबारियों ने बिना सोचे-समझे चतुरसेन की नकल की है। राजा ने उन्हें सज़ा दी लेकिन चतुरसेन की उदारता के कारण उन्हें माफ़ कर दिया गया।

## अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  पाठ का सारांश बताएँ और पाठ से मिलने वाले संदेश की चर्चा करें। नकल करने की आदत क्यों गलत है यह भी बताएँ। साथ ही एक-दूसरे की देखा-देखी चीज़ों का अनुसरण कभी-कभी परेशानी पैदा कर सकता है, यह भी बताएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 42** देखें।
  - क्रिया शब्दों पर ज़ोर देने के लिए उनका दोहराव किया जाता है। ऐसी स्थिति में उनमें योजक चिह्न का प्रयोग किया जाता है, यह समझाएँ।
  - संयुक्त अक्षर बनने की प्रक्रिया व उनके उदाहरण की ओर इशारा करें।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - इन क्रियाकलापों का उद्देश्य बच्चों में नैतिकता की भावना विकसित करना है।
  - बच्चों से पूछें कि क्या उन्हें भी किसी की नकल करने की आदत है। कुछ बच्चे दूसरों की बोली, उनके चाल-ढाल आदि की नकल करके मज़ाक उड़ाते हैं। बच्चों को बताएँ कि ऐसा करना या किसी का उपहास करना गलत है। कुछ बच्चे परीक्षा में नकल करते हैं। इस प्रकार की हरकतों के दुष्परिणामों की चर्चा करें।